TOPIC

DATE

DESIGN A CURRICULUM AND DEVELOPE TEACHING LEARNING MATERIAL ON ANY SUBJECT

Pragya College Of Education

Pragya College Of Education

Roll No - 03

Submitted by Reetika Gwadi

Class - M.Ed II Sem

Scanned with CamScanner

Topic: Index Date

Serial No	Topic	Page No.	Signature
(1)	पाठ्यचर्या का अर्थ	1-2	
(2)	पाठ्यचर्या के उद्देश्य और लक्ष्य	3	
(3)	पाठ्यचर्या विकास के सिद्धान्त	4-5	
(4)	पाठ्यचर्या के प्रकार	6-7	
(5)	[illegible]	8	
(6)	पाठ्यक्रम की अवधारणाएं	9-10	
(7)	पाठ्यक्रम का महत्व	11-12	
(8)	Business Studies	13	

Pragya College Of Education
Pragya College Of Education

Scanned with CamScanner

Meaning of curriculum

शाब्दिक अर्थ:-

Curriculum शब्द की व्युत्पत्ति लैटिन के शब्द Currere से हुई है, जिसका अर्थ है दौड़ना। पाठ्यक्रम एक दौड़ अथवा कोर्स है जिसके द्वारा शिक्षा अथवा जीवन के लक्ष्यों की प्राप्ति होती है। अतः Curriculum का अर्थ है - वह रास्ता जिस पर चलकर मनुष्य अपनी मंजिल पर पहुँचता है इसमें वे विषय सम्मिलित होते हैं जो स्कूल में पढ़ाए जाते हैं

पाठ्यक्रम का संकुचित अर्थ:- पाठ्यक्रम स्कूल कॉलेज अथवा विश्वविद्यालय [illegible] अध्याय तथा विषयवस्तु से है जो छात्रों को कक्षा में प्रस्तुत किया जाता है, यह अध्ययन कोर्स है अर्थात इन विशिष्ट विषयों का पर्यायवाची जो अध्यापक कक्षा-कक्ष में पढ़ाते हैं।

संकुचित अर्थ में पाठ्यचर्या के लिए एक अन्य शब्द सिलेबस (Syllabus) या पाठ्यचर्या शब्द का प्रयोग भी किया जाता है। जिसका अर्थ है कोर्स ऑफ स्टडी या कोर्स ऑफ डिसिप्लिन भी है।

इसे पाठ्य विवरण या पाठ्य सामग्री भी कहते हैं।

Pragya College Of Education
Pragya College Of Education

Scanned with CamScanner

Topic ____________ Date ________

पाठ्यचर्या के सन्दर्भ में विद्वानों ने इसे निम्न प्रकार से परिभाषित करने का प्रयास किया है जो इस प्रकार है –

क्रो और क्रो के अनुसार –

"पाठ्यचर्या में विद्यार्थियों के विद्यालय के अंदर और बाहर के वे सभी अनुभव सम्मिलित हैं जो अध्ययन के कार्यक्रम में शामिल होते हैं जिनका आयोजन बालकों के मानसिक, शारीरिक, संवेगात्मक, सामाजिक, आध्यात्मिक और नैतिक [illegible] विकास में सहायता करता है।"

फ्रोबेल के अनुसार –

"पाठ्यचर्या को समस्त जाति के समस्त ज्ञान और अनुभव का सार समझना चाहिए।"

[illegible] गिर्जल के अनुसार –

"विद्यालयी पाठ्यचर्या समाज की परम्पराओं परिवर्तनों एवं आदर्शों का प्रतिरूप है।"

Pragya College Of Education
Pragya College Of Education

Scanned with CamScanner

पाठ्यचर्या के उद्देश्य और लक्ष्य

- छात्रों का सर्वांगीण विकास करना पाठ्यक्रम का प्रथम व सर्वप्रमुख उद्देश्य है। बालक के व्यक्तित्व के समस्त पहलुओं शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, नैतिक, सांस्कृतिक तथा आध्यात्मिकता का विकास करना है।

- सभ्यता तथा संस्कृति का हस्तान्तरण तथा विकास करना।

- पाठ्यक्रम के माध्यम से बालक में सहानुभूति, सहयोग, सहनशीलता, प्रेमभावना, अनुशासन, नियमबद्धता, सामाजिकता आदि गुणों का विकास किया जाता है।

- बालकों के गतिशील व्यक्तित्व का निर्माण करना। कहा जाता है कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। इस स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण भी शिक्षा के द्वारा ही किया जा सकता है।

- बालकों को भावी जीवन के लिए तैयार करना। शिक्षा सम्पूर्ण जीवन की तैयारी है तथा पाठ्यक्रम बालकों को उनके भावी जीवन के लिए तैयार करता है। पाठ्यक्रम विषयों व क्रियाओं के मध्य समन्वय व सामंजस्य स्थापित करके बालकों का सर्वांगीण विकास करने का प्रयास करता है।

Pragya College Of Education
Pragya College Of Education
Pragya College Of Education

4

पाठ्यचर्या विकास के सिद्धान्त

1. विद्यार्थी केन्द्रियता का सिद्धान्त:- पाठ्यक्रम छात्रों की रुचियों, आवश्यकताओं, योग्यताओं, वृत्तियों, स्थितियों तथा उनके विकास स्तर के अनुकूल होना चाहिए। इससे छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए समग्र अनुभव प्राप्त होने चाहिए।

2. समुदाय केन्द्रियता का सिद्धान्त:- वास्तव में समुदायिक जीवन से ही पाठ्यक्रम की रचना की जानी चाहिए। यह समुदाय की आवश्यकताओं एवं समस्याओं पर आधारित होना चाहिए।

3. विविधता का सिद्धान्त:- विविधता पाठ्यक्रम के विकास निर्माण का एक महत्वपूर्ण सिद्धान्त है, पाठ्यक्रम का आधार व्यापक होना चाहिए क्योंकि संकीर्ण पाठ्यक्रम से व्यक्ति की विभिन्न योग्यताओं को विकसित नहीं किया जा सकता है।

Pragya College Of Education
Pragya College Of Education

Scanned with CamScanner

4. लचीलेपन का सिद्धान्त :- पाठ्यचर्या लचीला हो जिससे बालक की आवश्यकता के अनुसार परिवर्तन किया जा सके और अनावश्यक बालक पर लादा न जा सके अन्यथा बालक निराशा की भावना से ग्रसित हो सकता है। और न बालक विद्यार्थी आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायक साबित होता है। अतः वर्तमान जीवन के अनुकूल पाठ्यचर्या का लचीला होना आवश्यक है जिससे आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जा सके।

5. सर्वांगीण विकास का सिद्धान्त :- बालक को ऐसी [illegible] हर प्रकार का ज्ञान अर्जित कर सके जिससे वह शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, सामाजिक, आध्यात्मिक तथा नैतिक विकास कर सके। यदि हमारा पाठ्यचर्या बालक के सर्वांगीण विकास में सहायक होगा तभी हम शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति कर पायेंगे।

6. योजना का सिद्धान्त :- पाठ्यचर्या इस प्रकार का होना चाहिए जिससे छात्र सुन्दर भविष्य में होने वाली घटनाओं के विषय में जानकारी ले जा सके ताकि समाज एवं देश के विकास में बालक सहयोग प्रदान कर सके और किसी प्रकार घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और बालक को भविष्योपयोगी जानकारी प्रदान की जाए।

Pragya College Of Education
Pragya College Of Education
Scanned with CamScanner

Topic 6. Date

पाठ्यचर्या के प्रकार

ज्ञान आधारित पाठ्यक्रम :- पाठ्यक्रम का ताना-बाना ज्ञान के आधार पर बुना जाता है। ज्ञान पाठ्यक्रम का आधार होता है। अतः ज्ञान से किस प्रकार सिद्ध है। ज्ञान की रचना ज्ञान के किस प्रकार परिवर्तित होते हैं। विचार प्रक्रिया का स्वरूप क्या है इन प्रश्नों के उत्तर पाठ्यक्रम के स्वरूप को संगठित करने की दिशा को प्रभावित करते हैं।

बाल केन्द्रित पाठ्यक्रम :- बाल केन्द्रित पाठ्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में चली हुई मनोवैज्ञानिक प्रवृत्ति का परिणाम है। बाल केन्द्रित पाठ्यक्रम से तात्पर्य उस पाठ्यक्रम से है जिसमें पाठ्यक्रम का आधार पाठ्य विषयों को न बनाकर बालक को बनाया जाता है। अर्थात् पाठ्यक्रम का निर्माण बालक एवं उसकी विभिन्न अवस्थाओं की आवश्यकताओं रुचियों व क्षमताओं के अनुसार किया जाता है। इस पाठ्यक्रम बालक को विशेष महत्व दिया जाता है।

Pragya College Of Education
Pragya College Of Education
Scanned with CamScanner

Topic 7. Date

अनुभव केन्द्रित पाठ्यक्रम :- अनुभव केन्द्रित पाठ्यक्रम वह पाठ्यक्रम है। जिसमें पाठ्यक्रम का नाना-प्रकार अनुभवों के आधार पर चुना जाता है। अर्थात स्पष्ट शब्दों में हम यह कह सकते हैं कि बालकों के विकास के लिए पाठ्य विषयों पर बल न देकर अनुभवों पर बल दिया जाता है।

अनुभव केन्द्रित पाठ्यक्रम के गुण :-

1. यह बालकों का मानसिक व [illegible] विकास करता है।
2. इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यालय व [illegible] अनुभव [illegible] [illegible] किया जा सकते हैं।

विषय केन्द्रित पाठ्यक्रम :- विषय केन्द्रित पाठ्यक्रम [illegible] [illegible] तथा शिक्षा के विद्यालयों में बहुत ही प्रचलित [illegible] स्पष्ट है इस प्रकार के पाठ्यक्रम में विषयों पर [illegible] पाठ्य-पुस्तकों को सर्वाधिक महत्व दिया जाता है। [illegible] की [illegible] तथा विषयों का [illegible] [illegible] निर्माण किया जाता है। इस हेतु पाठ्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न प्रकार के [illegible] पाठ्यक्रम का [illegible] विषयों का ज्ञान बालकों को प्रदान-प्रदान देना है।

Pragya College Of Education
Pragya College Of Education

Scanned with CamScanner

8.

सामान्य आवश्यकताएँ

ये सामान्य आवश्यकताएँ हैं जो निम्नलिखित क्षेत्रों में पाठ्यक्रम में लागू होती हैं।-

सभी शिक्षार्थियों सहित :- सभी लोगों के लिए व्यापक और संतुलित पाठ्यक्रम प्रदान करने की जिम्मेदारी कॉलेज की है। प्रत्येक विषय की शामिल किए [illegible] अध्ययन में तीन सिद्धान्त निर्धारित किए गए हैं। जो सभी लोगों को प्रासंगिक और चुनौतीपूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं।

स्वास्थ्य और सुरक्षा :- इलेक्ट्रॉनिक [illegible] और प्रौद्योगिकी की जानकारी और संचार प्रौद्योगिकी के पर [illegible] लागू होता है। शारीरिक शिक्षा विद्यार्थियों को जोखिम और जोखिम नियन्त्रण के बारे में सिखाया जाना चाहिए।

आई०सी०टी का उपयोग :- अपने आप को उचित ढंग से और आई०सी०टी उपकरण के साथ व्यक्त करने के लिए उन्हें विषयों में विद्यार्थियों को पढ़ाया जाना चाहिए।

Pragya College Of Education

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम संरचना

हम अपने निर्देशात्मक कार्यक्रम को कम से कम चार अलग-अलग तरीकों से व्यवस्थित करते हैं ताकि पाठ्यक्रम की संरचना हो सके।

* शिक्षण को उचित क्रमबद्ध करने के लिए तार्किक आयोजन किया जाए।

* एक सामाजिक संगठन के समाज की सेवा के लिए संस्थागत संरचना।

* अनुशासन द्वारा ज्ञान का विभाजन प्रत्येक ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों समूहों के हितों के अनुसार आयोजित किया जाता है।

* संयोजन के कुछ नियमों द्वारा अवधारणाओं को मौलिक तत्वों का तार्किक बनाया गया।

Pragya College Of Education

Importance of Curriculum

शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक :

प्रत्येक पाठ्यक्रम का निर्माण कुछ निश्चित उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है। उद्देश्यों के अभाव में कोई भी शिक्षण क्रिया नहीं [illegible] सकती है। शिक्षण प्रक्रिया के [illegible] [illegible] उद्देश्यों के [illegible] [illegible] होती है। [illegible]

शिक्षण विधियों के निर्धारण में सहायक :-

[illegible] सहायक [illegible] ज्ञान [illegible] आवश्यकताओं की [illegible] का ज्ञान [illegible] है।

[illegible] में सहायक :-

[illegible] है कि पाठ्यक्रम [illegible] [illegible] है [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] किया जाता है।

Pragya College Of Education
Pragya College Of Education

Scanned with CamScanner

व्यक्तित्व के विकास में सहायक :-

बालक के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना। शिक्षा के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है एवं उद्देश्य की प्राप्ति पाठ्यचर्या के माध्यम से ही संभव है, व्यक्तित्व के विभिन्न पहलू होते हैं जैसे - शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक, नैतिक, भौतिक।

विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायक :-

प्रत्येक विद्यार्थी की आवश्यकताओं के अनुसार पाठ्यक्रम में अलग-अलग विषयों का निर्माण किया जाता है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी किसी निश्चित विषय का अध्ययन करता है।

Pragya College Of Education
Pragya College Of Education
Scanned with CamScanner

Topic ______ Date ______

Models of Curriculum Design

- SUBJECT CENTERED CURRICULUM
- SOCIETY CENTERED CURRICULUM
- STUDENT CENTERED CURRICULUM

पाठ्यक्रम के पैटर्न संरचना में पाठ्यक्रम डिजाइन हर पाठ्यक्रम के घटकों की व्यवस्था को संदर्भित करता है।

Pragya College Of Education

विषय केन्द्रित पाठ्यक्रम:- छात्र केन्द्रित पाठ्यक्रम में छात्र कार्यक्रम का केन्द्र है बच्चों की आवश्यकता व्यक्तिगत विकास पर जोर देता है। बच्चों स्कूल कार्यक्रम के आयोजन का आधार है।

समाज केन्द्रित पाठ्यक्रम:- इन डिजाइन को जारी करने वाले समाज को समझने और सुधारने के लिए सामाजिक समस्या पर जोर दिया गया है।

Pragya College Of Education
Pragya College Of Education

Scanned with CamScanner

CURRICULUM OF SUBJECT (BUSINESS STUDIES)

BUSINESS STUDIES

Part A – Principles and functions of Management

* Nature and Significance of management – 7 Marks
* Principle of management – 7 Marks
* Planning – 7 Marks
* Business Environment – 7 Marks
* Organising – 10 Marks
* Staffing – 10 Marks
* Directing – 12 Marks
* Controlling – 7 Marks

Pragya College Of Education

Part B – Business Finance and marketing

* Financial Management – 12 Marks
* Financial Markets – 8 Marks
* Marketing – 14 Marks
* Consumer protection – 6 Marks
*

Pragya College Of Education

Scanned with CamScanner